तेरी याद साथ है-9

“प्रेषक : सोनू चौधरी मैंने उसका हाथ पकड़ा और वापस अपना मुँह उसकी चूत से लगा दिया और उसकी चूत की खुशबू लेते हुए अपना काम चालू कर दिया। उसकी आवाजें बढ़ने लगी थीं… मुझे डर लगने लगा कि कहीं कोई सुन न ले। लेकिन मैं रुका नहीं और चूत की चुसाई जारी रखी। “ह्म्म…ह्म्म… […]
”
…

Story By: sonu chaudhary (jsr4u)
Posted: Sunday, March 20th, 2011
Categories: पड़ोसी
Online version: तेरी याद साथ है-9

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तेरी याद साथ है-9

प्रेषक : सोनू चौधरी

मैंने उसका हाथ पकड़ा और वापस अपना मुँह उसकी चूत से लगा दिया और उसकी चूत की खुशबू लेते हुए अपना काम चालू कर दिया। उसकी आवाजें बढ़ने लगी थीं… मुझे डर लगने लगा कि कहीं कोई सुन न ले। लेकिन मैं रुका नहीं और चूत की चुसाई जारी रखी।

“ह्म्म…ह्म्म… ह्ह्मम्म्म…और और और…हाँ…चाटो…” प्रिया की आवाज़ तेज़ हो गई और उसके पाँव और ज्यादा कांपने लगे। उसने अपना हाथ मेरे हाथों से छुड़ा कर मेरा सर पकड़ लिया और जोर जोर से अपनी चूत पर रगड़ने लगी…

“आआअह्ह ह्ह…हम्मम्मम्म…बस सोनू…अब बस…” इतना कहते कहते उसने अपनी चूत से ढेर सारा पानी मेरे मुँह में छोड़ दिया।

जिंदगी में पहली बार किसी चूत का स्वाद चखा मैंने, थोड़ा नमकीन, थोड़ा खट्टा…एक मस्त सा स्वाद था…

मैंने एक एक बूँद अपनी जुबान से चाट कर पी लिया। लेकिन मैंने अब भी उसकी चूत को चाटना छोड़ा नहीं था।

प्रिया ने मेरा मुँह हटा कर अपने हाथों से अपनी चूत को ढक लिया और अचानक से नीचे बैठ गई।

उसके माथे पर पसीने की बूँदें साफ झलक रही थीं… उसने मेरी तरफ देख और मेरे होठों पर लगे उसके चूत के कामरस को देखा और शर्म से अपनी आँखें नीचे कर लीं। मैंने उसका

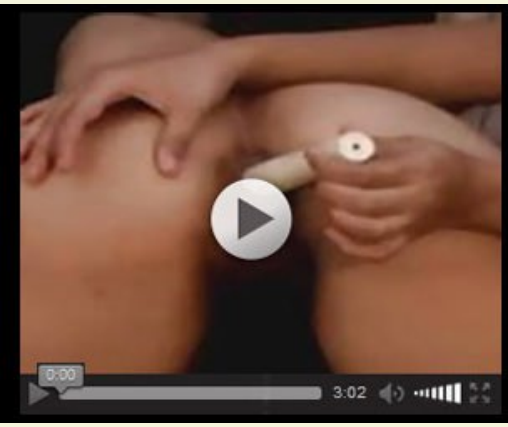
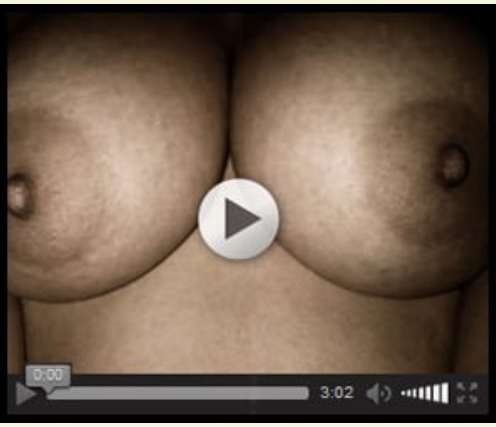

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चेहरा अपने हाथों में लिया और उसके गालों पर पप्पी करने लगा। वो अब भी जोर जोर से साँसे लेते हुए मुझे अपनी तरफ खींच रही थी।

मैं अचानक उसे बैठा हुआ छोड़ कर खड़ा हो गया। मेरे खड़ा होते ही मेरा विकराल लण्ड जिसने की पैंट में तम्बू बना रखा था, उसके सामने ठीक उसके मुँह के पास आ गया।

प्रिया ने देरी न करते हुए उसे पैंट के ऊपर से ही पकड़ लिया और दबाने लगी। उसने एक बार अपनी नज़र उठा कर ऊपर देखा और मेरी आँखों में देखकर एक मुस्कान दी। उसकी वो मुस्कान मैं आज तक नहीं भूला।

उसने मेरा लण्ड छोड़ कर अपने हाथों से मेरा शॉर्ट्स नीचे खींच दिया। लण्ड पूरा अकड़ा हुआ था इसलिए उसकी इलास्टिक लण्ड पर तक गई और नीचे नहीं आ पाई। प्रिया ने ऊपर से हाथ डाल कर मेरे लण्ड को पकड़ा और फिर धीरे से उसे आजाद कर दिया।

“ऊफ्फ…!” प्रिया के मुँह से फिर से वैसे ही आवाज़ बाहर आई जैसे उसने दोपहर में मेरा लण्ड देखकर कहा था।

मेरा लण्ड लोहे की तरह कड़क हो चुका था और उसकी नसें साफ़ साफ़ दिखाई दे रही थीं…प्रिया ने उसे अपने दोनों हाथों से पकड़ लिया और गौर से देखने लगी। लण्ड का सुपारा अपनी चमड़ी के अन्दर बंद था लेकिन आधा खुला हुआ था और उसके छेद पर कामरस की कुछ बूँदें उभर आईं थी। प्रिया गौर से उस रस को देख रही थी।

मेरा जी कर रहा था कि पूरा लण्ड उसके मुँह में उतार दूँ, लेकिन मैं कोई जबरदस्ती या जल्दबाजी नहीं करना चाहता था वरना हाथ में आई हुई चिड़िया उड़ सकती थी।

तभी मेरी कल्पना के परे प्रिया ने अपने होठों से मेरे लण्ड के सुपारे पर आई बूँद को चूम लिया और दनादन उस पर पप्पियाँ देने लगी। मैं इस अदा से इतने जोश में आगे कि मेरे

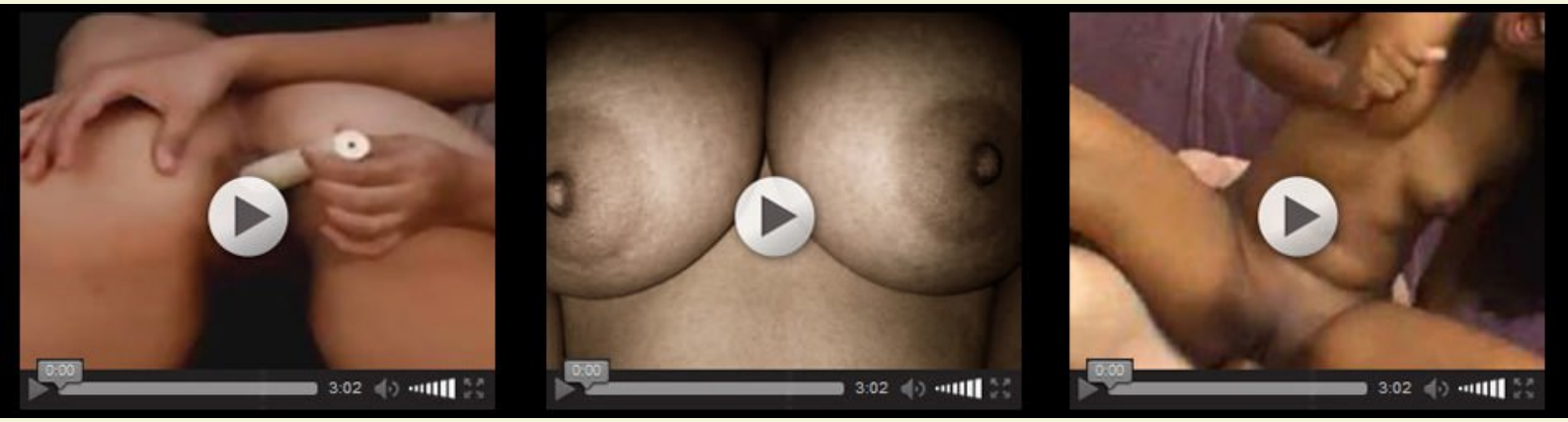

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लण्ड ने दो तीन और बूँदें बाहर निकाल दी जिसे उसने प्यार से चाट लिया।

प्रिया ने अपनी जीभ बाहर निकली और मेरे लण्ड के ठीक छेद पर रख दिया…

“ओह्ह्ह्हह…प्रिया !”

मेरे मुँह से बस इतना ही निकल सका और मैंने अपना एक हाथ उसके सर पर रख दिया। प्रिया ने अपनी जुबान से मेरे लण्ड की लम्बाई नापनी शुरू कर दी।

कसम से कहता हूँ दोस्तो, जो हरकतें वो कर रही थी वो बस एक खेली खाई लड़की या औरत ही कर सकती थी। मैं उसकी इस अदा पर हैरान था।

उसने धीरे धीरे मेरा लण्ड अपने होठों पर रगड़ना शुरू किया और कभी कभी अपना मुँह खोलकर अन्दर लेने की कोशिश भी करने लगी। लण्ड का आकार बड़ा था इसलिए उसे थोड़ी परेशानी हो रही थी लेकिन उसने अपना काम जरी रखा और चाटते सहलाते हुए लण्ड थोड़ा सा अपने मुँह के अन्दर डाल लिया। मेरा सुपारा अब उसके मुँह में था और वो हल्की हल्की ह्म्म्म की आवाज़ के साथ आगे पीछे करने लगी।

मैं जितना हो सके बर्दाश्त करते हुए अपना लण्ड चुसवा रहा था और यह कोशिश कर रहा था कि वो मेरा पूरा लण्ड अपने मुँह में भर ले। मैंने इसी कोशिश में अपने लण्ड को एक झटका दिया और मेरा आधा लण्ड अन्दर चला गया।

“गूं…गूं…हम्म्म्म…” ऐसा कहकर उसने लण्ड चूसना छोड़ कर मेरी तरफ देखा और झटके से लण्ड को बाहर निकाल दिया… उसकी आँखें बड़ी बड़ी हो गईं थीं..।

“जान ही निकल दोगे क्या…एक तो इतना बड़ा लण्ड पाल रखा है और …” उसने बड़ी अदा के साथ लण्ड को हिलाते हुए मुझसे कहा।

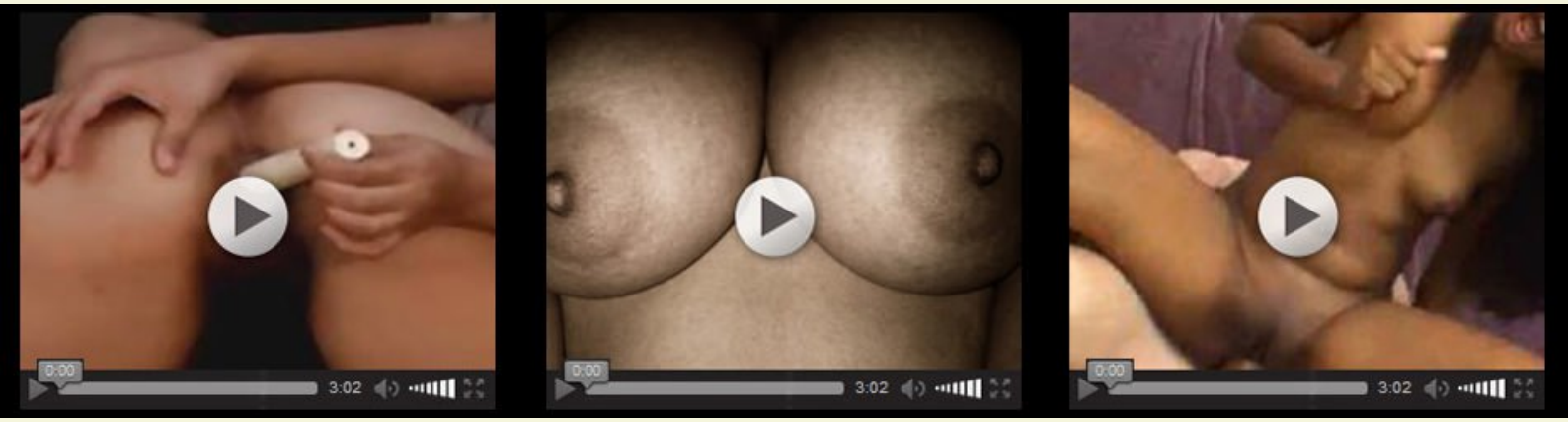

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

“नहीं मेरी रानी, तुम तो मेरी जान हो, मैं तुम्हारी जान कैसे ले सकता हूँ। प्लीज थोड़ा और चूसो ना…” इतना कहते हुए मैंने अपना लण्ड उसके मुँह के पास किया।

“घबराओ मत, इसे तो आज मैं चूस चूस कर खा ही जाऊँगी। बहुत दिन से तड़प रही थी तुम्हारा लण्ड खाने के लिए…लेकिन तुम तो बुद्धू हो, इशारा ही नहीं समझते और अपने हाथों से ही इस बेचारे को तकलीफ देते रहते हो। आज के बाद तुम इसे हाथ मत लगाना, जब भी यह खड़ा हो तो मुझे बता देना मैं इसे चूस कर शांत कर दूँगी… !” प्रिया ने यह कहते हुए मुझे आँख मारी।

मैं उसकी बातों से हैरान पर हैरान हो रहा था, पता नहीं वो कब से यह करना चाहती थी और मैं बेवकूफ़ ब्लू फ़िल्में और कहानियाँ पढ़ पढ़ कर मुठ मार रहा था। मैंने अब खुलकर बात करने की सोची और झुक कर उसके होठों को चूम लिया।

“मेरी जान, मेरी प्रिया रानी अगर पहले बता दिया होता तो मैं इतना परेशान नहीं होता ना और अब तक तो तुम्हारी चूत का भोसड़ा बना दिया होता।” मैंने उसका सर सहलाते हुए कहा।

मेरे ऐसा बोलने से प्रिया ने एक जोर की सांस ली और मुझे देखकर मुस्कुराते हुए मेरे लण्ड पर पप्पी करी और कहने लगी,”कोई बात नहीं अब तो मैं तुम्हारी हो गई हूँ…जब चाहे मुझसे अपनी प्यास बुझा लेना…लेकिन मुझे डर लग रहा है, तुम्हारा यह मोटा लम्बा लण्ड मेरी छोटी सी मुनिया को फाड़ ही डालेगा…कैसे झेल पाऊँगी इसको… ?”

“अरे मेरी रांड, तू एक बार इसे चूस चूस कर चिकना तो कर फिर देखना तेरी चूत कैसे इसे अपने अन्दर ले लेती है।” मैंने अपना लण्ड उसके मुँह में फ़िर से ठूंस दिया और धक्के मारने लगा।

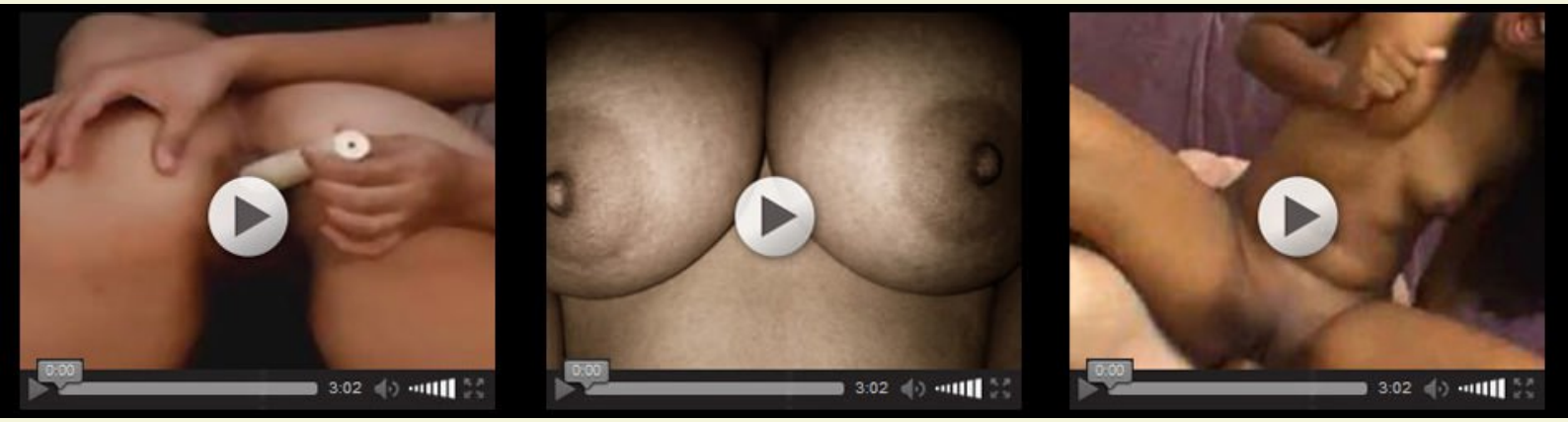

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो किसी अनुभवी रंडी की तरह मज़े से मेरा लण्ड चूसने लगी और साथ साथ मेरे गोलों से भी खेलने लगी। उसने मेरे गोलों को दबाना शुरू किया और धीरे धीरे मेरा पूरा लण्ड अपने गले तक उतार लिया।

लण्ड चुसवाने में कितना मज़ा है, यह बस वो जानते हैं जिनका लण्ड कभी किसी ने प्यार से चूसा हो।

प्रिया पूरी तन्मयता से मेरा लण्ड चूस रही थी और मैं अपनी आँखें बंद करके मज़े ले रहा था। मैंने अपने धक्कों की स्पीड बढ़ा दी और बिल्कुल चूत की तरह उसका मुँह चोदने लगा। मैं अब अपने चरम सीमा पर था। काफी देर से उसकी चूचियों और चूत का मज़ा लेते लेते मेरा लण्ड अपना माल बाहर निकालने के लिए तड़प रहा था।

“हाँ मेरी जान…हाँ…ऊह्ह …हह्ममम…और चूसो…और चूसो…मैं आ रहा हूँ…हम्म्म्म.” मैंने उसका सर अपने लण्ड पर दबाते हुए कहा।

जैसे ही प्रिया ने यह सुना कि मैं आनेवाला हूँ तो उसने लण्ड अपने मुँह से निकाल लिया। मैं अचानक से हुई इस अनहोनी से तड़प उठा। मैं उसके मुँह में ही झाड़ना चाहता था, पर शायद उसे यह पसंद नहीं था तो उसने अपने दोनों हाथों से मेरा लण्ड जोर जोर से हिलाना शुरू कर दिया और मेरे लण्ड को चूमने लगी।

“आ:ह्ह्ह…ह्म्म्मम्म…आ:ह्ह्ह…” और मैंने ढेर सारा माल एक जोरदार पिचकारी के साथ उसके पूरे मुँह पर छोड़ दिया…

प्रिया ने अपनी आँखें बंद कर लीं और तब तक लण्ड हिलाती रही जब तक उसमें से एक एक बूँद बाहर नहीं आ गई। मैं पूरी तरह से निढाल हो गया और धम्म से पीठ के बल बिस्तर पर गिर पड़ा। मेरी आँखें उस चरम आनन्द की वजह से बंद हो गई थीं और मेरा

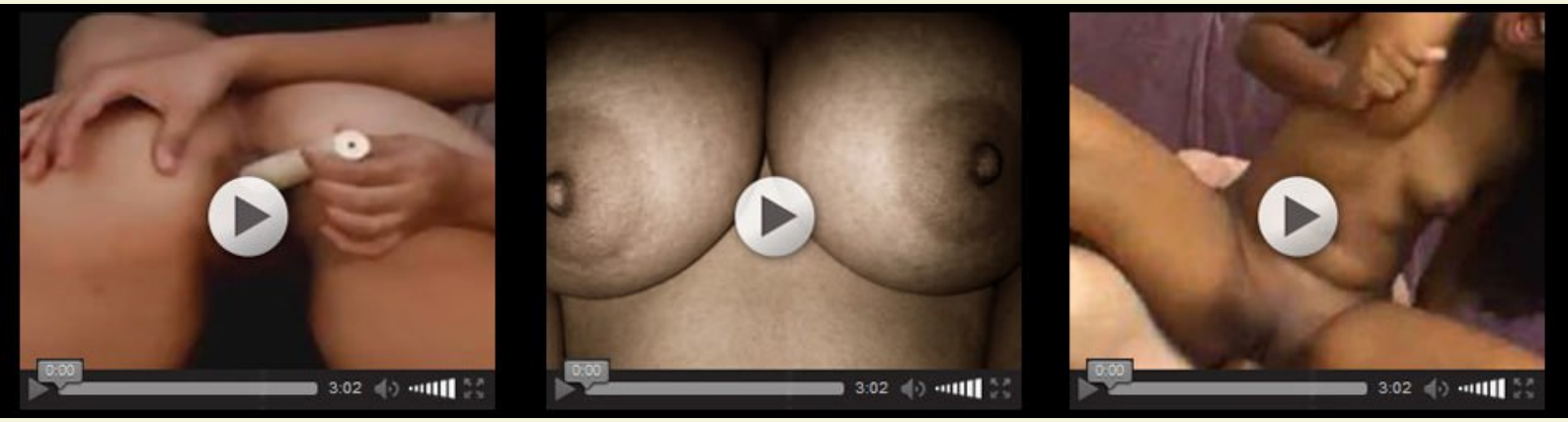

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लण्ड अपना सर उठाये छत को निहार रहा था और थोड़ा थोड़ा ठुनक रहा था जैसे माल निकलने के बाद होता है।

प्रिया अब भी वहीं बैठी मेरे लण्ड रस का मज़ा ले रही थी। मैंने धीरे से अपनी आँखें खोलकर देखा तो पाया कि उसने अपने हाथों में चेहरे पर लगे रस को लेकर अपनी चूचियों पर मलना शुरू कर दिया है।

हे भगवन, यह लड़की तो सच में पूरी रंडी है…मैंने सोचते हुए फिर से अपनी नज़रें फेर लीं और अपनी गर्दन घुमा ली।

प्रिया वहाँ से उठी और उसी हालत में सीधे बाथरूम में चली गई।

मैंने भी उठकर अपन लण्ड अपने पैंट में डाला और घडी की तरफ देखा तो साढ़े बारह बज चुके थे। मेरे मन में यह ख्याल आने लगा कि अभी तक सिन्हा आंटी ने प्रिया को आवाज़ क्यूँ नहीं लगाईं। शायद वो सो गई होंगी। लेकिन मेरा सोचना गलत था यारों…

मैंने अपनी खिड़की के परदे के पीछे कुछ हलचल महसूस करी। जैसे कोई चुप कर अन्दर का सारा हाल देख रहा हो। मेरी एक बार फिर से फट गई। हम दोनों अपने चूमा चाटी के खेल में इतने खोये हुए थे कि हमें पता ही नहीं चला कि हमने खिड़की तो बंद ही नहीं की थी।

मैं डर कर सहम गया कि पता नहीं कौन हो सकता है। घर पर सब लोग हैं। नेहा दीदी और रिंकी बगल वाले कमरे में सोई हुई थी…कहीं उनमें से किसी ने तो नहीं देख लिया…या फिर सिन्हा आंटी !!

मैं इस सोच में था कि तभी प्रिया बाथरूम से बाहर आई और आकर धड़ाम से बिस्तर पर गिर गई। उसने अपने कपड़े ठीक कर लिए थे और मुँह धो लिया था। मैंने एक बार उसकी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

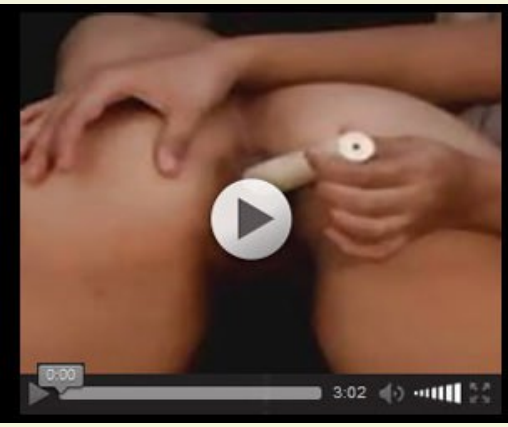

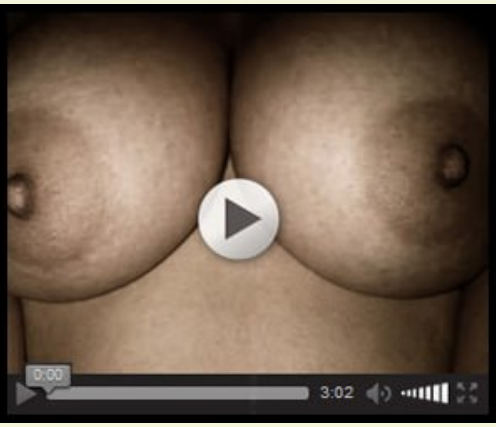

तरफ देखा और फिर दरवाज़े की तरफ बढ़ा।

जैसे ही मैंने दरवाज़े की कुण्डी खोलनी चाही तो कुण्डी की आवाज़ सुनकर किसी के तेज़ क़दमों की आहट सुनाई दी, मानो कोई भाग रहा हो। और फिर आई एक आवाज़ जिसे सुनकर मैं चौंक पड़ा।

पायल की झंकार थी उस क़दमों की आहट में और सीढ़ियों पर तेज़ तेज़ चढ़ने की आवाज़। अब मेरा शक यकीन में बदल गया, वो और कोई नहीं सिन्हा आंटी ही थीं। मेरा सारा जोश एक ही बार में पूरा ठंडा हो गया। अब तो मेरी खैर नहीं…

मैंने प्रिया का हाथ पकड़कर उठाया और उसे अपनी बाँहों में लेकर एक पप्पी दी और कहा,"अब तुम्हें जाना चाहिए, बहुत रात हो गई है कहीं आंटी न आ जाएँ।"

प्रिया ने भी मेरे होठों पर अपने होठ रख दिए और चूमते हुए कहा,"ठीक है मेरे स्वामी, अब मैं जाती हूँ। लेकिन कल हम अपना अधूरा काम पूरा करेंगे।" और मुझे आँख मार दी।

उसने अपनी किताबें और नोट्स उठा लीं और जाने लगी। जाते जाते वो मुड़ कर मेरे पास वापस आई और बिना कुछ बोले झुक कर मेरे लण्ड पर पैंट के ऊपर से एक पप्पी ली और हंसते हुए भाग गई।

उसकी इस हरकत पर मैं हस पड़ा और अपन दरवाज़ा बंद कर लिया। इस जोश भरे खेल के बाद मैं थक चुका था और आंटी के देखने वाली बात से डर गया था।

मैंने लाइट बंद की और कंप्यूटर भी बंद करके अपने बिस्तर पर गिर पड़ा। डर की वजह से नींद तो आ नहीं रही थी लेकिन फिर भी मैंने अपनी आँखें बंद की और सुबह होने वाले ड्रामे के बारे में सोचते सोचते सो गया…।

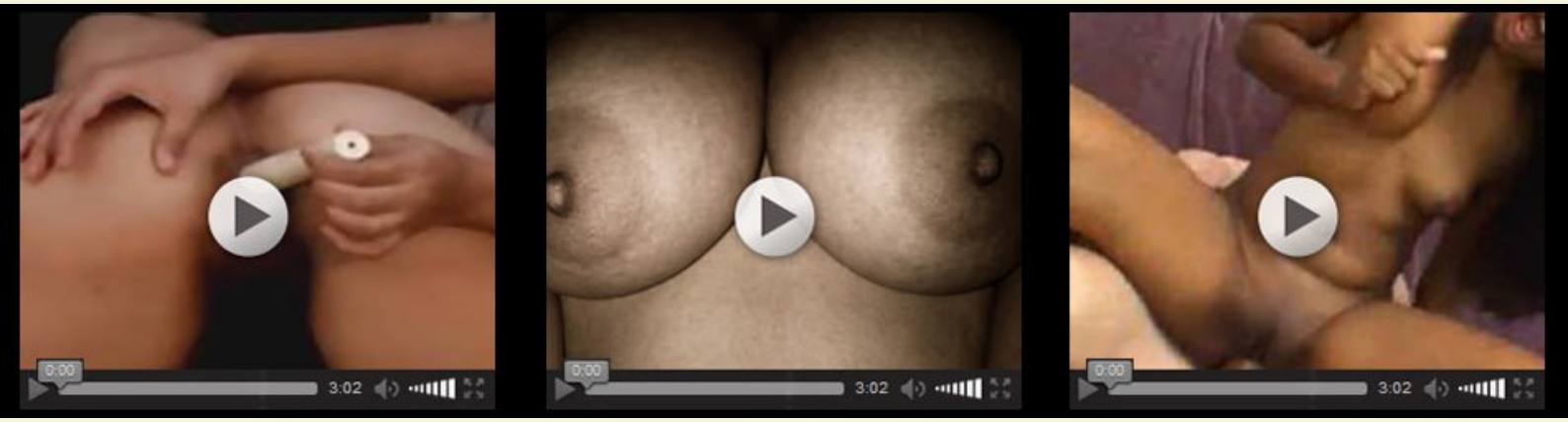

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

डॉक्टर की चुदक्कड़ बीवी

मैं इंदौर में रहता हूँ और मेरे घर के पास में ही एक घर में छोटा सा क्लिनिक है। क्लिनिक नीचे है और ऊपर के हिस्से में क्लिनिक के डॉक्टर साब रहते हैं, उनका नाम राहुल है। उनकी उम्र कोई […]
Full Story >>>

पड़ोसन भाभी ने मुझे लड़की चोदते देख लिया

अन्तर्वासना पर हिंदी सेक्स कहानी के शौकीन आप सभी पाठकों को नमस्कार। मैं विजय अपनी एक कहानी लेकर आया हूँ। मेरा कद 5'10" है। लंड का आकार भी मुसंड है। एक बार जब मैं अपनी एक जुगाड़ अनु को चोद […]
Full Story >>>

देसी आंटी ने ब्लैकमेल करके चूत चुदवाई

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम मनोज है.. मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ। मैं काफी समय से अन्तर्वासना की हिंदी सेक्स कहानी पढ़ रहा हूँ, मैंने भी सोचा कि क्यों ना मैं भी अपनी सेक्स कहानी यहाँ पर पेश करूँ। बात […]
Full Story >>>

उस रात की चुदाई खूब मन भाई

नमस्कार दोस्तो, मैं राहुल आप सभी पाठको के लिए अपनी आप बीती घटना को कहानी के माध्यम से आप लोगो तक पहुँचा रहा हूँ। उम्मीद है कि आप सभी को यह कहानी पसंद आएगी। एक बार मैं एक साल के […]
Full Story >>>

रीमा की चूत में मोनू भाई का लंड-1

फोन की घंटी बज रही थी। 'रीमा देख तो किसका फोन है ?' मेरी सास की आवाज़ आई। मैंने फोन उठाया, फोन कामिनी मौसी का था। 'नमस्ते मौसी..' 'कैसी हो रीमा ?' 'मैं ठीक हूँ मौसी.. आप कैसी हैं ? आज कई दिनों […]
Full Story >>>

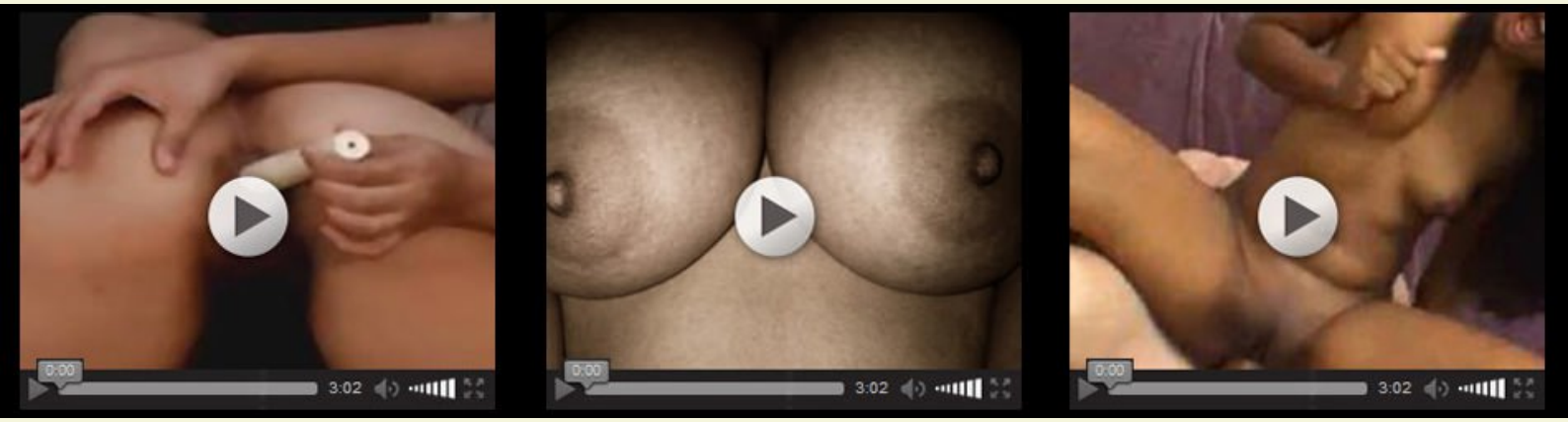

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Pinay Sex Stories

Araw-araw may bagong sex story at mga pantasya.

Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

Indian Phone Sex

Real desi phone sex, real desi girls, real sexy aunti, sexy malu, sex chat in all indian languages

Indian Sex Stories

The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories. Go and check it out. We have a story for everyone.

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Velamma

Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven! Visit the website and check the first 3 episodes for free.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire